मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

अनुक्रमांक.....

नाम.....

302 (PM)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट-प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्न-प्रत्र दो भागों-खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड 'क'

1. (क) 'आरोहण-प्रमुख स्वामी जी के साथ मेरा आध्यात्मिक सफर' - इस पुस्तक के लेखक हैं-

i वासुदेवशरण अग्रवाल

ii डॉ० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम

iii जैनेन्द्र कुमार

iv अज्ञेय'।

(ख) 'अग्नि की उड़ान' पुस्तक के रचनाकार है-

i सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

ii धर्मवीर भारती

iii पं० दीनदयाल उपाध्याय

iv डॉ० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम।

(ग) 'अतीत का चलचित्र' किस विधा की रचना है?

i जीवनी,

ii संस्मरण,

iii निबन्ध,

iv कहानी।

(घ) कर्मभूमि' किस विधा की रचना है?

i उपन्यास,

ii निबन्ध

iii आलोचना

iv कहानी

(ड.) 'संस्कृति के चार अध्याय' पुस्तक के लेखक हैं-

i रामधारी सिंह 'दिनकर'

ii वासुदेवशरण अग्रवाल

iii रामवृक्ष बेनीपुरी

iv विद्यानिवास मिश्र।

2. (क) हिंदी साहित्य का इतिहास लिखने वाले सर्वप्रथम विद्वान हैं।

i डॉ० गियर्सन

ii गार्सा डी तासी

iii डॉ० रामकुमार वर्मा

iv आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

(ख) हरिऔध जी की कृति है।

i 'चुभते चौपदे'

ii 'प्रियप्रवास'

iii 'चित्राधार'

iv वैदेही वनवास।

(ग) 'नौका-विहार' कविता के रचयिता हैं।

i गंगा

ii यमुना

iii सरस्वती

iv घाघरा।

(घ) 'आसू-काव्य में प्रधान रस है।

i करुण रस

ii शान्त रस

iii वीर रस

iv हास्य रस।

(ड.) निम्नलिखित में से कौन-सा कवि 'छायावाद' युग का नहीं है।

i सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

ii जयशंकर प्रसाद

iii महादेवी वर्मा

iv 'अज्ञेय'।

3. दिए गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिजिये।

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनन्द भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है। यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृत के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किन्तु आन्तरिक आनन्द की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है। जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनन्द पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनन्दित होता है। इस प्रकार की उबार भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है।

(i) राष्ट्रीय जन अपने मनोभावों को किन रूपों में प्रकट करते हैं?

(ii) प्रत्येक संस्कृति के आनन्द पक्ष को कौन स्वीकार करता है?

(iii) 'विश्वव्यापी' और 'आन्तरिक आनन्द' का क्या अर्थ है?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

नये शब्द, नये मुहावरे एवं नई रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा की व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा आधुनिकता लाना है। दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नये शब्दों के गढ़ने मात्र ही भाषा का विकास नहीं होता; वरन नये पारिभाषिक शब्दों को एवं नूतन शैली प्रणालियों को व्यवहार में लाता ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है। क्योंकि व्यावहारिकता ही। भाषा का प्राणतत्व है। नये शब्द और नये प्रयो का पाठ्य-पुस्तकों से लेकर साहित्यिक पुस्तकों तक एवं शिक्षित व्यक्तियों से लेकर अशिक्षित व्यक्तियों तक के सभ कार्यकलापों में प्रयुक्त होना आवश्यक है। इस तरह हम अपनी भाषा को अपने जीवन की सभी आवश्यकताओं के लिए जब प्रयुक्त कर सकेंगे तब भाषा में अपने आप आधुनिकता आ जायेगी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) भाषा में आधुनिकता कैसे आती है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) भाषा का प्राणतत्त्व क्या है?

(v) नूतन' तथा 'कार्यकलाप' शब्दों का अर्थ लिखिए।

4. दिए गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिजिये।

मुझे फूल मत मारो,
मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो।
होकर मधु के मीत मदन, पटु, तुम कटु, गरल न गारो,
मुझे विकलता, तुम्हें विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो।
नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,

बल हो तो सिन्दूर-बिन्दु यह-यह हरनेत्र निहारो ॥

(i) इस कविता का सम्बन्ध 'साकेत' के किस सर्ग से है?

(ii) 'मदन' तथा 'गरल' शब्द का अर्थ लिखिए।

(iii) इस कविता में वर्णित वेदना का सम्बन्ध किस पात्र से है?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

अथवा

बीती विभावरी जाग री।

<u>अम्बर-पनघट में डुबो रही-</u>

<u>तारा-घट ऊषा-नागरी।</u>

खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा,

किसलय का अंचल डोल रहा,

लो यह लतिका भी भर लायी-

मधु-मुकुल नवल-रस गागरी।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) क्या बीत गया और कौन जागे?

(iv) कौन बोल रहा है और किसका अंचल डोल रहा है?

(v) होठों, बालों और आँखों में क्या भरकर सखी सो रही है? अब किसका समय आ गया है?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिये।

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल।

(ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी।

(iii) हरिशंकर परिसाई।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिये।

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध।

(ii) महादेवी वर्मा।

(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

6. ध्रुवयात्रा कहानी का उद्देश्य लिखिए।

अथवा

लाटी कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए:

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(अथवा) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्राङ्कन कीजिए।

(अथवा) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।

(iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र चित्रण कीजिए।

(अथवा) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।

(iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(अथवा) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(अथवा) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(vi) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(अथवा) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र- चित्रण कीजिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशो में से किसी एक का ससंदर्भ सहित हिंदी में अनुवाद कीजिये- 2+5=7

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात्। अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति। सा मैत्रेयी उवाच - येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम्। यदेव भगवान् केवलममृतत्त्वसाधनं जानाति , तदेव मे ब्रूहि। याज्ञवल्क्य उवाच - प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे। एहि , उपविश , व्याख्यास्यामि अमृतत्त्वसाधनम्।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन्। मत्स्या आनन्दमत्स्यं , शकुनयः सुवर्णहंसम्। तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत्। स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति। हंसराजः तस्यै वरं दत्त्वा हिमवति शकुनिसङ्के संन्यपतत्। नानाप्रकाराः हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन्। हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकं आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश।

(ख) दिए गए श्लोको/पद्यांशो में से किसी एक का ससंदर्भ सहित हिंदी में अनुवाद कीजिये- 2+5=7

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।

अथवा

अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं।
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि।।

क्षणं क्षीणस्तारा नृपतय इवानुद्यम्पराः।
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1+1=2

(i) ईद का चाँद होना।

(ii) नाक काटना।

(iii) का वर्षा जब कृषी सुखाने।

(iv) गंगा गये गंगादास , जमुना गये जमुनादास।

10. निम्नलिखित अपठित पद्यांश/गद्यांश को पढ़कर उससे सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रकृति सदैव प्रस्तुत रहती है औरों के लिए। यह हमें सिखाती है कि हम भी बिना किसी भेदभाव के औरों के लिए प्रस्तुत रहें, उपलब्ध रहें। नदियाँ बहती हैं औरों के लिए। वृक्ष फलते-फूलते हैं, छाया देते हैं-औरों के लिए। सूरज प्रकाश देता है, जीवन देता है। चाँद शीतलता देता है। इन्होंने कहाँ अपना प्रकाश-पुंज समेटा है? नदियाँ कहाँ अपने को बाँधकर रखती हैं? फिर हम क्यों अपने को बाँधे रखते हैं? यह कृपणता तो मेरी समझ में अपराध है। यह भीषण आत्मस्वार्थ है। हम समझते हैं कि हम जो कर रहे हैं, वह अच्छा कर रहे हैं। लेकिन यह भारी भूल है। अगर हम किसी को अपनी ज्ञान- सम्पदा, सदाशयता सम्पदा से सहायता नहीं पहुँचा रहे हैं तो कुछ पलों के लिए उसे कष्ट होगा। संसार विशाल है, कहीं-न-कहीं उसका काम हो जाएगा। कोई-न-कोई उसकी सहायता कर ही देगा। लेकिन हममें कृपणता, असहायता, अदया की ग्रंथि विकसित होती रहेगी, जो अंततः मनोरोग के रूप में परिणत हो जाएगी।

(1) प्रकृति से व्यक्ति को क्या शिक्षा मिलती है? 2

(2) वृक्ष, सूर्य, चन्द्रमा तथा नदियों के कार्यकलापों का क्या लक्ष्य है? 2

(3) मानव के किस विचार को भारी भूल माना गया है? 1

अथवा

महात्मा जी ने एक दिन प्रार्थना में कहा था कि "मुझे जितना ज्ञान ज्यादा होता जाता है, उससे मैं तो यह जानता हूँ कि शहरी लोगों का देहातियों से घनिष्ठ संबंध है। मैं तो कहूँगा कि जो कुछ हिंदुस्तान में मिलता है, वह किसानों के ही मार्फत मिलता है।" यदि वे लोग इनकार कर जाएँ, आपके लिए कार्य नहीं करें तो आपको भूखा मरना पड़ेगा और उसमें महाराजा साहब का भी नंबर आ जाए और सेठ हुकुमचंद का भी नंबर आ जाए क्योंकि कोई भी चाँदी या सोने से पेट नहीं भर सकता। वह मेरी तरह सत्याग्रह करके नहीं, किंतु यह कहकर इनकार करें कि हमे भरपेट भोजन नहीं मिलता तो हम भूखे रहकर का कैसे करें तो शहरी लोगों को बड़ी मुसीबत उठानी पड़े।" अतएव यह परम आवश्यक है कि किसानों को उनके परिश्रम का उचित मूल्य मिले। ऐसा किए बिना सभी एक दिन परेशानी में पड़ जाएँगे। इसलिए मूल्य सुधार करो और जमीनों को हड़पना बंद करो। यही मेरा सुझाव है, अन्यथा भूखे मरने को तैयार हो जाओ शहरवासियों।

(1) गद्यांश के अनुसार भारत में जो भी प्राप्त होता है वह किसकी देन है?

(2) महात्मा जी ने शहर में रहने वालों को उनके तथा किसानों के संबंधों के बारे में क्या बताया था?

(3) किसानों की दशा सुधारने के लिए गद्यांश में क्या सुझाव दिया गया है?

11.(क) निम्नलिखित शब्द - युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अपेक्षा-उपेक्षा। 1

A. तुला और निरादर

B. तुलना में और अवहेलना

C. तुलना और बुराई

D. चाह और बुराई

(ii) अनल - अनिल। 1

A. वायु और अग्नि

B. पानी और आग

C. जल और हवा

D. अग्नि और वायु

(ख) शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 2

i कनक

ii कर

iii अम्बर

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसकी इच्छाएँ बहुत ऊँची हों - 1

A. माननीय

B. अनन्त

C. महत्त्वाकांक्षी

D. इच्छाकु

(ii) जो सामान्य नियम के विरुद्ध हो। 1

A. अपवाद

B. असामान्य

C. नियम विरुद्ध

D. अद्वितीय

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 2

(i) महादेवी वर्मा हिन्दी की प्रसिद्ध कवित्री थीं।

(ii) परमात्मा के अनेकों नाम हैं।

(iii) एक फूल की माला लाओ।

(iv) कृष्णा और राधा नृत्य कर रहे हैं।

12. 'करुण' रस अथवा 'शान्त' रस का स्थायी भाव के साथ परिभाषा दीजिए। 2

(ख) 'उपमा' अथवा 'अनुप्रास' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द की परिभाषा लिखिए और उसका एक दाहरण भी दीजिए।

2

13. शिक्षा विभाग के निदेशक के नाम लिपिक पद हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए।

अथवा 2+4=6

अपने नगर में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुये किसी दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए- 2+7=9

(i) भारतीय समाज में नारी की भूमिका।

(ii) विज्ञान का कल्याणकारी स्वरूप।

(iii) आतंकवाद समस्या और समाधान।

(iv) जीवन में वृक्षों का महत्व।

(v) साहित्य समाज का दर्पण है।

*****